राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन के अलगाव का मसौदा तैयार
>> 13

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 130

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

महिलाओं को स्वरोजगार, देश के स्वावलंबन का आधार

सिमडेगा : झारखंड के सिमडेगा में समाज सेविका प्रियंका कुमारी सिन्हा निर्धन व घरेलू महिलाओं को स्वरोजगार का समुचित प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की राह दिखा रही हैं। 'छोटानागपुर कल्याण निकेतन' नाम की संस्था तले प्रियंका महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 2008 से ही प्रयासरत हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

सैन फ्रांसिस्को ने सहेज रखी हैं 'गदर' की निशानियां

सैन फ्रांसिस्को : जिनकी हुंकार से अंग्रेजों के पसीने छूटे थे, उनकी निशानियां सैन फ्रांसिस्को सहेजे हुए है। अमेरिका में बसे भारतीयों ने जिस गदर पार्टी की स्थापना की थी, उसका मुख्यालय रही यहां की इमारत उनके बलिदान की दास्तां सौ साल बाद आज भी सुना रही है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

24 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में रहेंगे चिदंबरम

नई दिल्ली : आइएनएक्स मीडिया से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित चिदंबरम को राउज एवेन्यू कोर्ट ने 24 अक्टूबर तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को ईडी की दलीलें सुनने के बाद कहा, मामले की गंभीरता के मद्देनजर चिदंबरम से हिरासत में पूछताछ किए जाने की जरूरत है।

महासमर ▶ पृष्ठ 4

कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 हटाने के पक्ष में वोट दिया था : मनमोहन

मुंबई : अनुच्छेद 370 हटाए जाने के मुद्दे पर चौतरफा घिरी कांग्रेस ने चौंकाने वाला यू-टर्न लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का कहना है कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 हटाने के हक में वोट दिया था, इसके खिलाफ नहीं। मनमोहन सिंह गुरुवार को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

निवेश के लिए भारत से बेहतर बाजार नहीं : सीतारमण

वाशिंगटन : मोदी सरकार ने अमेरिका में स्थित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के मुख्यालय से दुनिया भर के निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि निवेश के लिए इस वक्त भारत से बेहतर कोई बाजार नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, निवेशक भारत के अलावा ऐसा कोई बाजार नहीं खोज सकते जहां एक साथ लोकतंत्र से प्यार और पूंजीपतियों के सम्मान का वातावरण हो।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

एर्दोगन ने पेंस और पोंपियो को खाली हाथ लौटाया

अंकारा : सीरियाई कुर्दों पर तुर्की के हमले रुकवाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयास विफल हो गए हैं। ट्रंप के निर्देश पर गुरुवार को तुर्की पहुंचे अमेरिकी उप राष्ट्रपति माइक पेंस और विदेश मंत्री माइक पोंपियो की हमले रोकने की सलाह को राष्ट्रपति रीसेप तैयप एर्दोगन ने मानने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने ट्रंप के उस पत्र को भी तवज्जो नहीं दी जिसमें उन्हें मूर्ख न बनने को कहा गया था।

चिड़ियाघर में एक बार फिर शेर के बाड़े में कूदा युवक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ चिड़ियाघर कर्मियों ने बचाई युवक की जान, मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है युवक

दिल्ली के चिड़ियाघर में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा होते बचा। शेर के बाड़े में एक युवक कूद गया, लेकिन कर्मचारियों की तत्परता व बहादुरी से उसे सकुशल बाहर निकाल लिया गया। युवक की पहचान रेहान (28) के रूप में हुई है। वह मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है।

मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रेहान पठान पट्टी का रहने वाला रेहान पिछले तीन दिनों से गौतम विहार में अपने मामा के घर पर रह रहा था। गुरुवार को चिड़ियाघर घूमने के दौरान वह दोपहर करीब 12.00 बजे सुंदरम नामक शेर के बाड़े के पास गया और साढ़े तीन फुट ऊंची रेलिंग और दीवार को लांघकर बाड़े में 20 फुट गहरी खाई में कूद गया। उसके पीछे गार्ड भी पहुंचा। उसने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी।

शेर के सामने पहुंचकर करने लगा मस्ती : बाड़े में पानी से भरी खाई में कूदने के बाद रेहान शेर के सामने पहुंच गया। शेर के पास आने पर वह आराम से बैठ गया और उसे देखने लगा। शेर ने युवक को सूंघने और उस पर पंजा रखने की कोशिश की। इसी बीच चिड़ियाघर प्रशासन के अफसरों और मेडिकल टीम ने बाड़े में पहुंचकर शेर का ध्यान भटका दिया। मेडिकल टीम ने शेर को ट्रेंकुलाइज्ड (गन से दी जाने वाली बेहोशी की दवा) किया और मौका पाकर चिड़ियाघर के सुरक्षाकर्मी सीढ़ी से बाड़े में उतरे और युवक को पकड़कर बाहर ले आए।

एक हफ्ते पहले बिहार से आया था : रेहान के मामा शम्स खान ने बताया कि एक हफ्ते पहले वह बिहार से दिल्ली आया था और तीन दिन से उनके यहां रुका हुआ था। कुछ वर्ष पहले उसके पिता नबी हसन की मौत हो गई थी। उसके परिवार में मां सैयदा खातून और दो बड़े भाई हैं। एक भाई सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। रेहान बचपन से मानसिक रूप से कमजोर है और बिना बताए कहीं भी चला जाता है। दिल्ली में उसके कई रिश्तेदार रहते हैं, वह किसी के घर जाकर रुक जाता है।

पहले भी हो चुकी है इस तरह की घटना

दिल्ली के चिड़ियाघर में यह पहला मामला नहीं है जब कोई युवक शेर के बाड़े में पहुंचा है। करीब डेढ़ माह पहले इसी बाड़े में एक युवक शेर का निवाला बनने पहुंचा था। वह बाड़े की दीवार पर लटक गया था, जिसे वहां मौजूद गार्ड ने पकड़ लिया था। 2014 में विजय नाम के बाघ के बाड़े में मकसूद नाम का व्यक्ति कूद गया था, जिसकी मौत हो गई थी।

नई दिल्ली में गुरुवार को चिड़िया घर में एक युवक शेर के बाड़े में कूद गया। गनीमत रही कि युवक को तत्परता से सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रेट्र

सुन्नी वक्फ बोर्ड ने माना, मध्यस्थता पैनल को दिया समझौते का प्रस्ताव

बोर्ड अध्यक्ष फारुकी बोले ▶ प्रस्ताव में क्या है-यह नहीं बता सकते

अपील वापस लेने संबंधी कोई भी हलफनामा नहीं दिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपना दावा छोड़ने संबंधी चर्चाओं को खारिज कर दिया है। बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारुकी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपील वापस लेने संबंधी कोई भी हलफनामा नहीं दिया है। उनके अनुसार, मध्यस्थता पैनल को जरूर समझौते का एक प्रस्ताव दिया गया है। चूंकि 18 सितंबर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत इसे गोपनीय रखा जाना है, इसलिए समझौते के बिंदुओं को वह अभी नहीं बता सकते।

दिल्ली से गुरुवार को लखनऊ लौटे जुफर फारुकी ने 'दैनिक जागरण' से कहा कि 'मैं नहीं जानता कि सुनवाई के अंतिम दिन दावा वापस लेने की बात कहां से सामने आ गई। यह कोरी अफवाह है।' उन्होंने कहा, 'चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यदि पक्षकार चाहते हैं तो मध्यस्थता पैनल को समझौते का प्रस्ताव दे सकते हैं, इसी के तहत मैंने तथा कुछ और पक्षकारों ने समझौते का प्रस्ताव दिया है।' जुफर यह मानने को तैयार नहीं थे कि अंतिम दिन मध्यस्थता पैनल को समझौते का कोई प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने कहा कि 'आप कैसे कह सकते हैं कि अंतिम

जुफर फारुकी — फाइल फोटो

दिन प्रस्ताव दिया गया।' ऐसी चर्चा है कि अयोध्या मामले में सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्यों को भी बोर्ड के बड़े फैसलों की कोई जानकारी नहीं होती। उनका जवाब था कि 'वक्फ बोर्ड ने बहुमत से अयोध्या मसले पर सभी अधिकार मुझे (अध्यक्ष को) हस्तांतरित कर दिया है। सुनवाई में पक्ष रखने से लेकर मध्यस्थता पैनल में समझौते के क्या बिंदु होंगे, इसे तय करने का अधिकार अध्यक्ष को दिया गया है। बोर्ड में दो सदस्य ऐसे हैं जो कभी किसी बैठक में नहीं आए, केवल उन्हें ही इस मसले पर एतराज है। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला होगा वह हमें खुशी-खुशी मान्य होगा।'

निर्मोही अखाड़े ने जताया विरोध : निर्मोही अखाड़े के प्रवक्ता कार्तिक चोपड़ा ने मध्यस्थता के दावों को खारिज करते हुए कहा कि वह (वक्फ बोर्ड) अब तक अदालती फैसले के सुरक्षित होने का इंतजार क्यों कर रहे थे? उन्हें तो अदालत में आकर मुख्य मुकदमे में हमारे पक्ष का समर्थन करना चाहिए था। वहीं, अयोध्या रामजन्मभूमि मामले के मुख्य पक्षकार महंत धर्मदास के वकील करुणेश शुक्ला ने कहा, मामले से जुड़े अधिकांश पक्ष मध्यस्थता कमेटी से सहमत नहीं हैं। इसकी जरूरत ही नहीं है। ज्ञात हो, राम लला और निर्मोही अखाड़ा ने मध्यस्थता के दूसरे चरण में हिस्सा नहीं लिया था। चूंकि पहले चरण की बातचीत में सभी पक्ष किसी एक बात पर सहमत नहीं हो सके थे।

अयोध्या की पुकार पेज>>5

सभी पक्ष समझौते की शर्तों को पढ़ें और दस्तखत करें : रिजवी

नई दिल्ली, एएनआइ : सुन्नी वक्फ बोर्ड के वकील सैयद शाहिद रिजवी ने कहा है कि सभी पक्षों को समझौते की शर्तों को पढ़ना चाहिए और उस पर दस्तखत करने चाहिए। यह समझौता देश की एकता व अखंडता के लिए सबसे अच्छा है। रिजवी ने कहा, समझौते की शर्तें ऐसी हैं कि किसी भी पक्ष को निराशा नहीं होगी। हम अन्य पक्षों (राम लला विराजमान और निर्मोही अखाड़ा) से अपील करते हैं कि वह हमारे साथ मिलकर विवाद को सुलझाएं। उन्होंने कहा, ऐसे विवादित मामले में अदालती फैसले की नहीं समझौते की जरूरत है। दीवानी मामलों में फैसला सुरक्षित होने के बाद भी विभिन्न पक्ष मिलकर समझौता कर सकते हैं।

राजीव धवन के खिलाफ कार्रवाई के लिए बार काउंसिल में शिकायत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कथित रूप से भगवान राम के जन्म स्थल को दर्शाने वाले एक नक्शे को फाड़ने पर हिंदू पक्षकार अयोध्या मामले में मुस्लिम पक्षकारों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन से खासे नाराज हैं और उन्होंने धवन के खिलाफ कार्रवाई के लिए बार काउंसिल आफ इंडिया में शिकायत की है। बता दें कि शीर्ष कोर्ट में राम जन्मभूमि विवाद में अंतिम दिन की सुनवाई के दौरान धवन ने कथित रूप से भगवान राम के जन्म स्थल को दर्शाने वाले एक नक्शे को फाड़ दिया था। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के एक घटक (अखिल भारत हिंदू महासभा) ने धवन की इस कार्रवाई की निंदा करते हुए बार काउंसिल आफ इंडिया को पत्र लिखा है। पत्र में धवन के इस कदम को 'अत्यधिक अनैतिक कृत्य' बताया गया है। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रमोद पंडित जोशी ने एक बयान में कहा, 'वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन का यह कृत्य सुप्रीम कोर्ट बार की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। बार काउंसिल आफ इंडिया से अनुरोध किया गया है कि धवन के इस कृत्य का संज्ञान लिया जाए और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। बता दें कि धवन ने बाद में कहा था कि उन्होंने नक्शा माननीय जजों की अनुमति से ही फाड़ा था।

पाकिस्तान के एफ-16 ने स्पाइसजेट के विमान को घेरा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ पाक के एटीसी ने कॉमर्शियल विमान को भारतीय वायुसेना का विमान समझा

▶ 23 सितंबर की घटना की डीजीसीए ने की पुष्टि, कहा- 'कॉल साइन' की गफलत

बालाकोट स्ट्राइक से पाकिस्तान की वायुसेना इतनी डरी हुई है कि वह भारत के यात्री विमानों को भी युद्धक विमान समझकर घेरने लगी है। पिछले माह दिल्ली से काबुल जा रहे स्पाइसजेट के विमान को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय वायुसेना का विमान समझकर घेर लिया था। हालांकि बाद में असलियत पता चलने पर एफ-16 विमानों ने स्पाइसजेट के विमान को अफगानिस्तान सीमा तक सुरक्षित पहुंचाना बेहतर समझा।

घटना 23 सितंबर की है। स्पाइसजेट का विमान (फ्लाइट एसजी-21) 120 यात्रियों को लेकर नई दिल्ली से काबुल की उड़ान पर था। पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से गुजरते समय अचानक एफ-16 लड़ाकू विमानों ने उसे घेर लिया। लड़ाकू विमानों के पायलटों ने स्पाइसजेट के पायलट को हाथ के इशारे से विमान की ऊंचाई कम करने और नीचे लाने को कहा। दरअसल, पाकिस्तान के एटीसी ने स्पाइसजेट के विमान के कॉल साइन कोड 'एसजी' को 'आइए' समझ लिया था। जिससे उसे लगा कि यह इंडियन आर्मी या इंडियन एयरफोर्स का विमान है। लिहाजा उसने पाकिस्तानी वायुसेना को एलर्ट भेज दिया, जवाब में तुरंत दो एफ-16 विमानों को स्पाइसजेट के विमान के पीछे भेज दिया गया। जिस वक्त एफ-16 विमानों के पायलट स्पाइसजेट के विमान के समानांतर उड़ रहे थे, स्पाइसजेट के कई यात्रियों ने उन्हें देखा। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पायलटों ने यात्रियों से खिड़कियों के शटर बंद करने व शांत रहने को कहा। साथ ही पाकिस्तानी एटीसी को सूचित किया कि यह भारतीय सेना या वायुसेना का नहीं, बल्कि भारत की निजी एयरलाइंस स्पाइसजेट का यात्री विमान है जो तय शेड्यूल के मुताबिक दल्ली से काबुल जा रहा है। डीजीसीए के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, यह सारी गफलत स्पाइसजेट के बोइंग-737 विमान को दिए गए 'कॉल साइन' के कारण हुई। स्पाइसजेट ने घटना के बारे में टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया है।

सच जानते ही बदला तेवर : सच्चाई पता चलते ही एफ-16 विमानों के पायलटों के तेवर बदल गए। उन्होंने न केवल स्पाइसजेट के पायलट से खेद प्रकट किया, बल्कि विमान को अफगानिस्तान की सीमा तक सुरक्षित छोड़ने भी गए। बाद में स्पाइसजेट के विमान की काबुल में सुरक्षित लैंडिंग हो गई। हालांकि वहां पाकिस्तानी एटीसी के साथ कागजी खानापूर्ति में अधिकारियों को काफी वक्त लग गया। परिणामस्वरूप विमान की वापसी उड़ान पांच घंटे विलंब से हो सकी।

काफी समय बाद खुला था पाक का एयर स्पेस : यह घटना 26 फरवरी को बालाकोट में जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी शिविर पर भारत की एयर स्ट्राइक के बाद तब हुई थी, जब पाकिस्तान ने काफी समय तक अपना एयरस्पेस बंद रखने के बाद उसे कमर्शियल उड़ानों के लिए खोल दिया था। इससे पहले पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका तथा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को आइसलैंड जाना था तो पाकिस्तान ने उनके विमानों को अपने वायु क्षेत्र के ऊपर से उड़ने की इजाजत देने से मना कर दिया था।

हमलों के बाद घाटी से लौटने लगे श्रमिक

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ सुधर रहे हालात के बीच हताश हो चुके हैं आतंकी और अलगाववादी

जिहादियों को जम्मू-कश्मीर में शांति और आर्थिक खुशहाली रास नहीं आ रही है। बुधवार को तीन लोगों की हत्या के बाद अन्य राज्यों के श्रमिक फिर से अपने घरों को लौटने लगे हैं। दरअसल, सूबे के सुधरते हालात से हताश आतंकी और अलगाववादी माहौल बिगाड़ने के लिए हर तरह की साजिश कर रहे हैं।

पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 हटने के बाद हालात सुधरने पर राज्य प्रशासन ने कई तरह की पाबंदियों को हटा लिया था। इस क्रम में लैंडलाइन और मोबाइल की पोस्ट पेड सेवाएं बहाल की गई थी। इससे यहां फिर से बाहरी श्रमिकों व व्यापारियों का आना शुरू हो गया था। सितंबर की शुरुआत तक सेब का निर्यात लगभग थमा सा गया था। अक्टूबर के पहले हफ्ते तक 25 फीसद तक निर्यात हो चुका है। बंद पड़ी निर्माण योजनाएं भी गति पकड़ने लगी थीं। गत सोमवार को राजस्थान के ट्रक चालक की हत्या, बुधवार को श्रमिक और सेब व्यापारी की हत्या ने वादी का माहौल बिगाड़ दिया। दहशत के चलते सेब व्यापारी और ट्रक चालक बोरिया बिस्तर समेट चुके हैं। श्रमिकों ने अपने घरों का रुख कर लिया है। गर्मी के दिनों में कश्मीर में अन्य राज्यों से चार से पांच लाख श्रमिक आते हैं, जो सर्दियों में घर लौट जाते हैं। अमृतसर से सटे गागोमल गांव निवासी कुलवंत सिंह ने कहा, मैं यहां 20 साल से आ रहा हूं। पहली बार असुरक्षित महसूस कर रहा हूं।

सुरक्षा के आश्वासन के बाद भी नहीं रुक रहे श्रमिक : श्रमिकों को रोकने के लिए निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को भी काफी दिक्कत आ रही है। वे उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिला रहे हैं, लेकिन उनकी बात सुनने को कोई तैयार नहीं है। 65 फीसद सरकारी निर्माण कार्य रुक गए हैं। बड़गाम से सुबह पांच यात्री बसें बाहरी श्रमिकों (भट्ठा मजदूर) को लेकर निकली हैं। उनका कहना है कि हम तो स्थिति में सुधार की बात सुनकर आए थे। श्रमिक की हत्या के बाद हम यहां नहीं रह सकते।

हमारी तहजीब और रोजी-रोटी का कत्ल : फल मंडी शोपियां के प्रधान मुहम्मद अशरफ वानी ने कहा कि सेब तो हमारी अर्थव्यवस्था का मजबूत हिस्सा है। हम तो बाहरी राज्यों के ट्रांसपोर्टरों पर निर्भर हैं। जिस तरह से ट्रक चालक और सेब व्यापारी की हत्या हुई है, उससे हमारा कारोबार ठप हो गया है। यह किसी बाहरी आदमी का कत्ल नहीं है, यह हम लोगों का, हमारी तहजीब और रोजी-रोटी का कत्ल है। कोई भी ट्रक चालक अब बाग में आकर माल लेने को तैयार नहीं है।

आतंकी नहीं चाहते कश्मीर में खुशहाली आए : राज्यपाल के सलाहकार फारूक अहमद खान ने कहा कि हत्याओं ने जिहादियों के असली चेहरे को फिर बेनकाब किया है। वे राज्य को पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं। सेब के किसानों, ट्रक चालकों, व्यापारियों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में ट्रक चालकों को सुरक्षाबलों के शिविरों में शरण लेने के निर्देश पेज>>6

मुर्शिदाबाद में बांग्लादेशी सीमारक्षकों की फायरिंग में बीएसएफ का जवान शहीद

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▶ फ्लैग मीटिंग के बाद लौटते समय बीएसएफ के गश्ती दल पर बीजीबी के जवानों ने एके 47 से बरसाईं गोलियां

▶ बीजीबी द्वारा बंधक बनाए गए भारतीय मछुआरे की तलाश में गए थे जवान

▶ घटना से भारत और बांग्लादेश सीमा पर तनाव, बीएसएफ में रोष

हेड कांस्टेबल विजय भान सिंह की फाइल फोटो।

बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में गुरुवार सुबह भारत-बांग्लादेश सीमा पर ककमारीचर सीमा चौकी इलाके में गुरुवार को फ्लैग मीटिंग के बाद बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के गश्ती दल पर फायरिंग कर दी, जिसमें हेड कांस्टेबल विजय भान सिंह (51) शहीद हो गए। उनके सिर में गोली लगी थी। हमले में कांस्टेबल राजवीर सिंह भी घायल हो गए। उन्हें मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के फीरोजाबाद जिले के चमरोली गांव के रहने वाले थे विजय बीएसएफ की 117वीं बटालियन में तैनात थे। फरवरी 1990 में बीएसएफ में शामिल हुए थे।

वहीं बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। उनका आरोप है कि जब बीएसएफ जवान फ्लैग मीटिंग से लौट रहे थे, तब उन्होंने फायरिंग शुरू की थी। इसके बाद बीजीबी के दल ने जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की, जिसमें बीएसएफ के हेड कांस्टेबल शहीद हो गए।

घटना ने चौंकाया : सीमा सुरक्षा बल के सूत्रों का कहना है कि जानबूझकर बांग्लादेशी सीमारक्षकों ने गोलीबारी कर उनके जवानों को निशाना बनाया है। बीएसएफ और बीजीबी के बीच संबंध दशकों से सौहार्दपूर्ण रहे हैं और अचानक इस घटना ने सबको चौंका दिया है। इससे पहले दोनों देशों के सीमारक्षकों के बीच दशकों से गोलीबारी की कोई घटना नहीं हुई है। इस घटना के बाद बंगाल में सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, बीएसएफ के अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं।

फ्लैग मीटिंग के बहाने बुलाया पेज>>6

नया दौर

यह कॉल सेंटर सांसदों को उनके विशेषाधिकार व सुविधाओं की तत्काल जानकारी उपलब्ध कराएगा, सेवा शुरू करने से पहले संभावित सवालों के जवाब तैयार किए जा रहे हैं

अब सांसदों के लिए भी होगा विशेष कॉल सेंटर

संजय मिश्र, नई दिल्ली

▶ संसद ने नए दौर की रफ्तार से जुड़ने की पहल की

▶ चौबीसों घंटे सेवाएं देने के साथ आपात हालत से निपटने में मदद करेगा

▶ एमपी लैड स्कीम की कठिनाईयों से जुड़े सवालों का जवाब भी मिलेगा

प्रतीकात्मक फोटो

संसद ने भी अब सांसदों को नए दौर की रफ्तार से जोड़ने की पहल करते हुए उनके लिए एक विशेष कॉल सेंटर बनाने की शुरुआत कर दी है। चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करने वाला यह कॉल सेंटर सांसदों को उनके विशेषाधिकार और सुविधाओं की तत्काल जानकारी उपलब्ध कराएंगे ही। किसी आपात स्थिति का सामना कर रहे सांसदों को तुरंत परिस्थितिजन्य हालत से निपटने के लिए समाधान की राह भी सुझाएंगे। सांसदों को उनके एमपी लैड स्कीम की कठिनाईयों से जुड़े सवालों का जवाब भी यहां मिलेगा।

लोकसभा सचिवालय ने सांसदों के इस विशेष कॉल सेंटर का आगाज करने से पहले इसके लॉजिस्टिक प्रबंधन की व्यवस्था पर काम करना शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि सियासत के हाई-प्रोफाइल लोगों को इस तरह की चौबीसों घंटे सेवा देने से पहले ऐसे संभावित सैकड़ों सवाल और आपात स्थितियों के मौजूदा संदर्भों का अध्ययन कर इनके जवाब तैयार किए जा रहे हैं। सांसदों को उनके अधिकांश सवालों और समस्याओं का समाधान कॉल सेंटर की ओर से तत्काल दिया जा सकेगा। कुछ ऐसे सवाल जिनमें राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों से लेकर जिला प्रशासन तंत्र शामिल है, उसका भी समाधान सांसदों को चंद मिनटों के अंदर उपलब्ध कराने की तैयारी है।

लोकसभा के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कॉल सेंटर की रिस्पांस क्षमता बढ़ाने के लिए ही सचिवालय की सभी शाखाओं से सांसदों की ओर से उनके यहां आने वाले सवालों और समस्याओं के साथ उनकी प्रकृति का ब्योरा मांगा गया है। नेशनल इन्फारमेटिक्स सेंटर इस विशेष कॉल सेंटर का पूरा आइटी और साफ्टवेयर ढांचा विकसित कर रहा है ताकि सामान्य प्रकृति और नियम-कानूनों से जुड़े सवालों का जवाब पहले से ही तैयार रहे और सांसदों को इसकी जानकारी पल भर में ही उनके मोबाइल पर मिल जाए। मसलन सांसदों को उनके वेतन-भत्ते और सुविधाओं से जुड़ी किसी तरह की जानकारी हो या उनके क्या विशेषाधिकार हैं। साथ ही किस तरह का बर्ताव उनके विशेषाधिकार का हनन माना जाएगा।

सांसद निधि का मसला सबसे अहम

संसदीय सचिवालय का विश्लेषण है कि सांसदों के लिए उनकी सांसद निधि का मसला सबसे अहम और संवेदनशील सवालों में एक है। इसीलिए कॉल सेंटर में एमपी लैड स्कीम के कार्यान्वयन के तौर तरीकों से लेकर इसके तहत चल रहे कार्यों की ताजातरीन अपडेट जानकारी भी सांसदों को तत्काल देने की तैयारी चल रही है। इतना ही नहीं संसद में पेश हो चुके विचाराधीन विधेयकों और विधायी प्रस्तावों से जुड़ी जानकारियां हो या फिर किसी मौजूदा कानून से जुड़े सवाल, सांसदों को यह कॉल सेंटर फटाफट अपडेट देगा।

बजट सत्र के बाद लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने की थी कॉल सेंटर की बात

उल्लेखनीय है कि संसद के बीते बजट सत्र के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों के लिए ऐसा कॉल सेंटर बनाने की बात कही थी। स्पीकर ने इसके जरिये सांसदों को ज्वलंत मुद्दों से जुड़ी जानकारियां मुहैया कराने की संभावनाओं पर भी गौर करने की बात कही थी ताकि वह सदन में अपने भाषण की तैयारी में इन सूचनाओं का प्रभावी तरीके से उपयोग कर सकें।

मप्र में स्कूल परिसर में दफनाई गईं 17 गायें, मामले ने पकड़ा तूल

नईदुनिया, डबरा

▶ मुख्यमंत्री कमलनाथ का ट्वीट-ऐसी घटना बर्दाश्त नहीं, प्रशासन ने संबंधितों को किया नोटिस जारी

मध्य प्रदेश के डबरा जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर समूदन गांव के सरकारी स्कूल परिसर में 17 मृत गायों को दफनाने की घटना ने तूल पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा है कि 17 गायों की मौत बेहद दुखद है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बुधवार रात हिंदू संगठनों को सूचना मिली थी कि स्कूल परिसर में गायों को दफनाया जा रहा है। गायों को दफनाने के लिए पोकलिन मशीन (जेसीबी) की मदद ली जा रही थी। संगठन के लोग और अधिकारी पहुंचे तो मशीन का चालक भाग निकला। एसडीएम राघवेंद्र पांडेय ने जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला शिक्षाधिकारी, जिला पंचायत के सीईओ आदि को नोटिस जारी कर मामले की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। एसडीएम द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि गायों को मौत के बाद स्कूल परिसर में दफनाया गया। प्रतीत होता है कि गोवंश को

कमलनाथ — फाइल फोटो

अवैध रूप से एक कमरे में कई घंटे बंद किया गया। इनकी मौत होने के बाद उनको दफनाने का प्रयास किया गया। उधर, घटना को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने गुरुवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। गायों की मौत के लिए स्कूल संचालक, सरपंच और पुलिस को जिम्मेदार ठहराया है।